SHRI BHAIRAB CHANDRA MAHANTI : Sir, in which year did the Government of India ask the Government of Orissa to prepare the scheme and what is the likely tonnage of fish that will be netted if this scheme is given effect to ?

SHRI BHANU PRATAP SINGH : Sir, the quantity of fishing is not mentioned. But the original plan was to have a port in which 40 vessels could enter and get serviced. Later on, the State Government increased the number from 40 to 420. That meant that the scheme had to be revised. But in the mean— time, the State Government has returned to its original position-that of service facility for only 40 vessels.

SHRI BHAIRAB CHANDRA MAHANTI : Whatever the number of vessels was—whether 40 or 420— there must have been some estimate of fishing done. So, I want to know the quantity of fish, in terms of tonnage, to be netted if this scheme is given effect to, and what the likely foreign exchange to be earned on that account is.

SHRI BHANU PRATAP SINGH: That figure is not available, and it is also very difficult to get an estimate of what would be the catch afcer the port has been completed.

SHRI LAKSHMANA MAHAPATRO : I want to know from the hon. Member Minister whether, in addition to this fishing harbour at Naugarh near Astarang, there are proposals about Gopalpur and other small fishing harbours on the coast | of Orissa. If so, what steps are I being taken to attend to them ? The second thing that I want to know is this. He has said that Rs. 20 .lakhs will be the share of Orissa. ' Was it mentiond in the original project report that this would be the amount or did the Central Government want it to be raised to Rs. 20 lakhs from something lower proposed earlier ?

SHRI BHANU PRATAP SINGH : We are considering some otner projects, for example, Gopalpur and Hansua, and these are also being considered. As regards the latter part of the question, the contributions made by the Cerntal Government and the State Govern-ments, as I have said earlier, Rs. 45.87 lakhs or Rs. 46 lakhs were made by the Central Government and Rs. 19.95 lakhs or nearly Rs. 20 lakhs was made by the State Government on the Nuagarh fishing harbour project.

मानसिक रोगों के लिए 'बिहेवियर थेरेपी'

*517. श्री नत्थी सिंह : क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विदेशों में मानसिक रोगियों के इलाज के लिए 'बिहेवियर थेरेपी' का प्रयोग सफलता पूर्वक किया जा रहा है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि यह इलाज मानसिक रोगियों के अन्य इलाजों की तुलना में काफ़ी सस्ता होता है तथा रोगी दवाइयों के प्रयोग से होने वाले अन्य बुरे प्रभावों से भी बचा रहता है ;

(ग) यदि उपरोक्त भाग (क) और (ख) का उत्तर 'हां'. हो तो क्या भारत में

और विशेष रूप से दिल्ली के अस्पतालों में इस प्रकार का इलाज करने के लिए कोई एकक खोले गये हैं या खोलने का विचार है ; यदि हां, तो इस संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(घ) यदि उपरोक्त भाग (ग) का उत्तर 'ना' हो, तो इसके क्या कारण हैं ?

-f[Behaviour Therapy for mental diseases

*5I7. SHRI NATHI SINGH : Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that in foreign countries behaviour therapy is being practised successfully for the treatment of patients suffering from mental diseases ;

(b) whether it is also a fact that this treatment is far cheaper as compared to other treatments and the patient is also saved from side effects of medicines ;

(c) if the answer to parts (a) and (b) above be in affirmative, whether any units for this type of treatment have been started or are proposed to be started in India, particularly in the Delhi hospitals ; if so, what are the details in this regard ; and

(d) if the answer to part (c) above be in the negative, what are the reasons therefor ?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव) : (क) जी हां,

(ख) जी हां,

(ग) इस प्रकार के इलाज के लिए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बंगलौर, केन्द्रीय मनश्चिकित्सा संस्थान, रांची तथा मनश्चिकित्सा विंग वाले अन्य मानसिक रोग अस्पतालों और जनरल अस्पतालों में विशेष यूनिटें खुली हुई हैं । बड़े-बड़े शहरों में अनेक प्राइवेट चिकित्सक भी इस थेरेपी का प्रयोग कर रहे हैं । दिल्ली में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान और डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल के मनश्चिकित्सा विभाग में आचरण चिकित्सा (बिहेवियर थेरेपी) से इलाज किया जा रहा है । प्राइवेट चिकित्सा कार्य कर रहे कुछेक चिकित्सा मनोवैज्ञानिक भी यह चिकित्सा कर रहे हैं ।

(घ) यह प्रश्न नहीं उठता ।

† [ ] English translation

f[THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI JAGDAMBI PRASAD YADAV) : (a) Yes, Sir.

(b) Yes, Sir.

(c) Specific Units or this type of treatment are in existence at the National Institute of Mental Health and Neuro Sciences, Bangalore, Central Institute of Psychiatry, Ranchi and other mental hospitals and general hospitals with Psychiatric Wings. Several private practitioners in major cities are also using this therapy. In Delhi, behaviour therapy is being done in the Psychiatry Department of All India Institute of Medical Sciences and Dr. Ram Manohar Lohia Hospital. Some clinical Psychologists in private practice are also doing this therapy.

(d) Does not arise.]

श्री नत्थी सिंह : मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि आपने अभी कहा कि दिल्ली में दो जगहों पर यह व्यवस्था है । तो राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इस

विभाग के इंचार्ज की जगह कितने दिनों से खाली थी और वह कब भरी गई। दूसरी बात मैं आपसे यह जानना चाहता हूं कि क्या हिन्दुस्तान में इस रोग के व्यापक प्रसार के संबंध में मंत्री महोदय परिचित हैं ? और यदि परिचित हैं तो इस रोग की क्या स्थिति है ?

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन्, यह विहेवियर थेरेपी पद्धत्ति जो है, इसका आधुनिक विज्ञान के आधार पर कई बाहरी देशों में इसका डेवलपमैंट हुआ है। लेकिन यह हमारे यहां अभी प्रारम्भिक अवस्था में हैं। जहां तक प्रशिक्षण की बात है, बंगलौर के मैडिकल इंस्टीटयूट में हमने प्रशिक्षण कार्य आरम्भ किया है और प्रयोग के रूप में हमने इसे डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भी प्रारम्भ किया है। अभी इसमें हमको काफी काम करना है। इसके संबंध में अभी हम इतना ही कह सकते हैं कि यह अभी प्रारम्भिक अवस्था में हैं।

श्री नत्थी सिंह : मंत्री महोदय ने यह नहीं बताया कि डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल में इस विभाग के इंचार्ज की जगह कितने दिनों से खाली पड़ी है और यदि भर दी गई है तो कब भरी गई है ? दूसरा सप्लीमेन्टरी मेरा यह है कि अभी मंत्री जी विदेश गये थे, फैमिली प्लानिंग के संबंध में अध्ययन करने के लिये। वह अपने साथ कुछ सदस्यों को लेकर भी गये थे। तो मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि क्या आपका स्वास्थ्य विभाग इस बात पर भी सोच रहा है कि इस समस्या की गम्भीरता को देखते हुए इस मानसिक रोग का एक निदेशालय आपके स्वास्थ्य मंत्रालय में खुले और वह इन सारी बातों पर गंभीरता से सोचकर कुछ उपाय निकाले ?

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन्, डा० राम मनोहर लोहिया अस्पताल में डा० बृज भूषण इसके इंचार्ज हैं और जहां तक . . .

श्री नत्थी सिंह : कब से यह पद खाली रहा है और नियक्ति कब हुई है ?

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन, जैसे मैंने बताया अभी प्रारम्भिक अवस्था है और जो ट्रेन्ड पर्सोनल है उनको तैयार करके यहां नियुक्त कर रहे हैं। जहां तक इस मानसिक बीमारी का सम्बन्ध है यह सर्वविदित है कि यह है और इसके इलाज के लिये हमारे देश में अनेक जगहों पर बड़े बड़े अस्पताल भी हैं। लेकिन अभी सवाल केवल विहेवियर थेरेपी का है और इसलिये हमने कहा कि जहां तक विहेवियर थेरेपी का सबंध है – जैसा कि माननीय सदस्य ने सवाल किया खर्च और आसानी का इसमें आसानी भी बहुत है और खर्चा भी इसमें बहुत कम है। लेकिन जहां तक व्हाइलेंट बीमारी का सवाल है वहां पर यह थेरेपी काम नहीं कर सकती है।

वैसे अगर कहे तो जिस विहेवियर में यह काम आता है, उसकी एक लिस्ट हमारे पास है क्योंकि पढ़ने में समय लगेगा अगर आप कहें तो टेबल पर रख सकते हैं। इस काम को हमने प्रारम्भ किया है और ज्यादा द्रुत गति से आगे ले जाना चाहेंगे।

SHRI ARVIND GANESH KULKARNI : Sir, May I know from the hon. Minister what is actually meant by Behaviour Therapy and if I have understood him correctly, he said that there is also a lack of patients for treatment. I want to know if there is any possibility of opening a unit in the Parliament House itself since many of the Members raise their temper and their blood-pressure rises. The Minister himslef while in the opposition used to shout. May I know whether Behaviour Therapy would help in such a situation and whether there is any possibility of opening a new cell in the Parliament House itself.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन, दो तीन लाइनें इसके विश्लेषण के लिए पढ़ना चाहूंगा। रोगो के आचरण को ठीक करने के लिए आचरण चिकित्सा (बिहेवियर थेरेपी) इलाज को एक नयो पद्धति है और यह ज्ञान के आधुनिक सिद्धान्त पर आधारित है। रोगो को ठीक होने में व सुधार लाने में जितना समय और धन लगता है उसे देखते हुए अन्य इलाजों की तुलना में यह इलाज सस्ता है। इसका प्रभाव भो बुरा नहीं पड़ता है। यह माना जाता है कि हमारा वर्तमान आचरण जीवन में अर्जित होने वाले अभ्यास से बन गई सहज प्रक्रियाओं, कंडीशंड रिफ्लेक्शन पर निर्भर करता है। कुछ लोग सही प्रतिष्ठाओं के बदले गलत रूप में ग्रहण की गई प्रतिष्ठाओं के अभ्यस्त हो जाते हैं जिसके कारण उनका व्यवहार असमान्य हो जाता है। आशनाई रोगों के लक्षण अभ्यास के बने आचरण के नमूने माने जाते हैं जो किसी न किसी कारण से. (*Interruptions*) अग्राह्य होते हैं। श्रीमन् जहां तक पार्लियामेंट के सदस्यों की सुविधा की बात है आपकी बगल में भी एक अस्पताल है। इसी को देखते हुए अनेक्सी में भी एक पुरा अस्पताल प्रारम्भ कर दिया है।

श्री अरविन्द गणेश कुलकर्णी : बिहेवियर थेरेपी का क्या कोई एक्सपर्ट यहां है। कल जो लोक सभा में शोर मचा, यहां तो हर दिन होता है वह बंद क्यों नहीं होता है।

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : माननीय सदस्य की जो आकांक्षा है उस पर जरूर विचार किया जा सकता है ताकि जिस प्रकार यहां पर गति हो सकती है उस गति में सुविधा दी जा जा सके। हम जरूर यहां पर इस इलाज की भी करने का डाक्टरों को प्रशिक्षण देंगे।

श्री सुरेन्द्र मोहन : श्रीमन् मैं मंत्री महोदय से यह जानना चाहता हूं कि जब वे बिहेवियर थेरेपी को मानते हैं तो क्या वे इस बात पर विचार करेंगे कि पूरे देश में जहां जहां भी विश्वविद्यालयों में मनोविज्ञान का प्रशिक्षण दिया जाता है वहां हर एक विश्वविद्यालय में मनोविज्ञान के प्रशिक्षण के कोर्स में वे बिहेवियर थेरेपो को भी शामिल करेंगे और इसके साथ-साथ मैं यह भी जानना चाहता हूं कि रांची और बंगलौर में जो बिहेवियर थेरेपो काफी दिनों से चल रही है उसके कोई इवेलूएशन का काम कि उसमें क्या कुछ अभी तक फायदा हुआ है, आपके मंत्रालय ने किया है?

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन्, जहां तक मेडीकल कालेज है और जिसमें मनोविज्ञान का विंग है वहां पर हमने इस काम को प्रारम्भ करा दिया है। वैसे श्रीमन् मैं यह माननीय सदस्य को बताना चाहता हूं कि रांची और बंगलोर के सिवाय अखिल भारतीय हियरिंग ऐंड थेरेपी संस्थान मैसूर में क्रिश्चियन मेडीकल कालेज अस्पताल वेल्लोर मद्रास त्रिवेन्द्रम, धारवाड़, कटक, हदराबाद, राजस्थान, अमृतसर, मानसिक अस्पताल, मानसिक रोग संस्थानों में बिहेवियर थेरेपी का एक इलाज के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त इस थेरेपी का इन मडीकल कालेजों से संबंद्ध जनरल अस्पतालों जहां मनो चिकित्सा के विंग है कर्णाटक, मद्रास, मदुराई, आगरा, कटक, पांडीचेरी, वाराणसी, चंडीगढ़ और राजस्थान आदि में भी स्थित बाल मार्गदर्शक क्लीनिकों में भी उपयोग चलाया जा रहा है।

SHRI SURENDRA MOHAN : Sir, I had asked two specific questions. One is, whether any evaluation has been made of whatever has taken place in Ranchi and Bangalore, because, they are the latest institutions ? Secondly, whether behaviour therepy will be incorporated in the courses wherever psychology is taught at the post graduate level ? I am afraid, the hon. Minister has either not understood the question or has not cared to reply to it.

MR. CHAIRMAN : He wants to know whether any evaluation has heen marie.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन्, मैंने प्रारम्भ में ही कहा था कि हमने इसका प्रारम्भिक उपयोग जहां तक प्रशिक्षण का सवाल है, प्रारम्भ किया है और प्रारम्भ कर ही रहे हैं इसलिए उस हालत में जब प्रारम्भ कर ले, काम हो जाय तब ही इवेल्यूशन हो पायेगा। पुरानी स्थिति तो प्रारम्भ है और दूसरी जगहों पर जहां पर मानसिक विग है वहां पर भी प्रारम्भ किया है और प्रशिक्षण का काम भी साथ ही साथ प्रारम्भ किया है। जब इस प्रकार के केस आते हैं तो लिमिटेड बीमारी में ही उसका उपयोग किया जाता है सभी बीमारियों में यह उपयोगी नहीं है।

SHRI MANUBHAI PATEL : Sir, this behaviour therapy has some thing to do with mentally retarted children and, along with it, occupa tional therapy is also utilised. Now may I know whether the Govern ment ha^e assessed the size of the problem, the number of mentally retarded children in the country ? Of course, the mental problem in the mad-houses is altogether a different question. But this is a question for the future generation. This question is related to the mentally retarded children. I would like to know whether they have assessed the size of the problem and whether, to meet this problem, they have any programme under the Health Ministry in the Sixth Plan ?

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : श्रीमन्, सिक्सथ प्लान की तत्काल मैं सूचना नहीं दे सकता हूं। लेकिन बाल मार्गदशक जो क्लीनिक हैं बच्चो के लिए जो इस थेरेपी का उपयोग है इसको मैंने ऊपर ही कहा था माननीय सदस्य अगर ध्यान दिये होते कि कर्नाटक, मद्रास, आगरा, मदुराई, पांडेचेरी, वाराणसी, कटक, चंडीगढ़, राजस्थान आदि में स्थिति बाल मार्गदर्शन क्लीनिकों में इसका उपयोग किया जा रहा है और माननीय सदस्य की जो उत्सुकता है मैं समझता हूं कि सचमुच में अगर हम बालकों के लिए और भी कुछ कर सकें तो उसके लिए अवश्य कुछ न कुछ प्रयास करेंगे।

DR. RAFIQ ZAKARIA : Sir, may I know from the Minister whether he would consider opening a special wing for such politicians who apparently look allright, but whose mental disturbance is causing one political crisis after another in this country ? *(In:errupiici:s)* This is relevant when you are thinking of behaviour and when you are thinking of mental retardation. *(Itienup-tions)* For the best of executives, for the best of people in high places, this therapy is being practised in America. I would like to know whether the Minister will take this" aspect into consideration.

MR. CHAIRMAN : He will observe and do scmethirg in the matter.

श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : मैं तो यह समझता हूं कि माननीय सदस्यों पर इस प्रकार की बीमारी का प्रकोप न हो अगर यह प्रकोप होता है तो उनके लिए इलाज खुला हुआ है और सब जगह व्यवस्था है।

Basic Education

*5i8. PROF. RAMLAL PARIKH : Will the Minister of EDUCATION. SOCIAL WELFARE AND CULTURE be pleased to state :

(a) What amount has been spent on the basic education prograrrme during the last three years ; and

(b) whether Government are aware of the demand of the basic education teachers for setting up a special board for promotion and strengthening of the existing basic andpost-basicschoolsinthecountry?